गुरुदेव शरण में आया हूँ ,निज दास समझ अपना लेना ।

गुरुदेव शरण में आया हूँ,
निज दास समझ अपना लेना ।
मैं नीच-अधम-अज्ञानी हूँ,
गुरु ज्ञान की ज्योति जला देना ।।

१.अपराधी हूँ अपराध किया,
ना जाने कितने पाप किया ।
मैं सेवक हूँ गुरु स्वामी हो,
मेरे पापों को दफना देना ।।
गुरुदेव...
२.नादान हूँ मैं नादानी से,
भक्ति के भाव को क्या जानूँ ?
गुरुदेव कृपा के सागर हो,
भक्ति का ज्ञान करा देना ।।
गुरुदेव...

३.यदि ईश रूठ जायेगा तो,
गुरुदेव ही एक सहारा हो ।
गुरु रूठ न जाना गलती से,
निज सेवक जान दया करना।।
गुरुदेव...

४.मुझमें है बहुत बुराई पर,
गुरुदेव शरण में आया हूँ ।
अपराध हुई जो कान्त से हो,
निज शिष्य समझ समझा देना ।।
गुरुदेव...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33854/title/gurudev-sharan-me-aaya-hu-nij-das-samajh-apna-lena

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |